

# the pioneer

LUCKNOW, SUNDAY FEBRUARY 16, 2020;

## Conference on Bhagwad Gita and Ramayana begins

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

Two-day 8th International Conference on 'Bhagwad Gita and Ramayana : A Perennial Sources of Leadership' began at School of Management Sciences (SMS). More than 300 participants from different parts of the country and abroad are participating in this conference. Academic scholars and students from different countries including Zimbabwe, Fizi, Bangladesh, Mauritius, Russia, Thailand, Japan and England also actively participated in the conference. More than 250 research papers were to be presented in this two-day conference.

Addressing the inaugural session, the chief guest Manoj Srivastava, Additional Chief Secretary, Government of Madhya Pradesh, said that Bhagwad Gita is the oxygen of Indian life and is eternal and perennial. He stressed that culture progresses when you see heart even in stones and the culture decays when you make even your heart a stone. Presiding over the function, Dean, Faculty of SVDV, BHU Prof RC Panda expressed pleasure that we are fortunate enough to have with us the treasure of Vedas, Ramayana, Gita and various other shashtras.

Guest of honour, HG Suradas Prabhu, president and Trustee, ISKCON Mumbai divulged that Bhagwad Gita is



International seminar being held at SMS in Varanasi on Saturday

Pioneer

the only epic that has been enunciated by the almighty himself. Suradas said that a leader is one and only one who can be exemplary in his domain. He was of the view that if one want to imbibe the teachings and lessons from Gita and Ramayana, one has to first learn the art to control the mind. Distinguished guest of honour and Vice-Chancellor, Dakshin Bharat Hindi Prachar Sabha, Chennai, Prof Ram Mohan Pathak illustrated the importance of communication and dialogue in today's time.

In his discourse, Chief

Operating Officer, ESDS Software Solutions, Mumbai, Rajeev Papneja stressed on the qualities of a good leader. He was of the view that any common man can become a good leader if he is more focussed on personal leadership rather than public leadership. Chairman, Delhi School of Professional Studies and Research, Prof BP Singh said that main theme and message of Gita and Ramayan is to know oneself, to be committed towards one's aim, to realise one's potential and to harness maximum usage of resources.

Welcoming the guests, SMS Director Prof ON Jha explained the academic achievements of the institute. Executive Secretary Dr MP Singh welcomed and felicitated the guests. The souvenir of the conference and Coffee Table Book of the Silver Jubilee year were released by the august guests. Convenor Prof Sandeep Singh gave the vote of thanks. Dr. Sofia Khan conducted the function. On this occasion, registrar Sanjay Gupta, along with other faculty members were also present in the programme.



# दैनिक जागरण

वाराणसी, 16 फरवरी 2020

## गीता व रामायण मानव जीवन के मंत्र ग्रंथ



स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में स्मारिका का विमोचन करते प्रो. संदीप सिंह, प्रो. राम मोहन पाठक, प्रो. आरसी पंडा, मनोज श्रीवास्तव, सूर्य दास प्रभु, प्रो. बीपी सिंह (दाएं से) • जागरण

जासं, वाराणसी : गीता सिर्फ शाश्वत ग्रंथ ही नहीं बल्कि प्राण संजीवनी भी है। गीता व रामायण मानव जीवन के मंत्र ग्रंथ है। महाभारत युद्ध के समय अर्जुन जब किंकर्तव्य विमूढ़ थे तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें संबंधों से ऊपर उठकर कर्तव्य पथ पर चलने की प्रेरणा दी। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) में शनिवार को 'गीता एंड रामायण ऐज पेरिनियल सोर्सेस ऑफ लीडरशिप' विषयक दो दिनी संगोष्ठी व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन का यह निष्कर्ष रहा।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि जब-जब देश पर संकट गहराया, गीता व रामायण ने ही राह दिखाने का काम किया। दक्षिण भारतीय हिंदी प्रचार सभा के कुलपति प्रो. राम मोहन पाठक ने कहा कि वर्तमान दौर में संचार व संवाद की बेहद जरूरत है। इसकोन के अध्यक्ष सूर्य दास प्रभु, दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशन स्टडीज एंड रिसर्च के चेयरमैन प्रो. बीपी सिंह, एसडीएस साफ्टवेयर सलूशल, मुंबई के वरिष्ठ अधिकारी राजीव पपनेजा आदि ने विचार व्यक्त किया। अध्यक्षता प्रो. आरसी पंडा, स्वागत संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा, संचालन डा. सोफिया खान व धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम समन्वयक प्रो. संदीप सिंह ने किया। जिबाबवे, फिजी, बंगलादेश, मारीशस, रूस, थाईलैंड, जापान, इंग्लैंड के प्रतिनिधि भी शामिल रहे।

# हिन्दुस्तान

रविवार, 16 फरवरी 2020, वाराणसी,



एसएमएस में शनिवार को सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथिगण। • हिन्दुस्तान

## भारतीयों के लिए संजीवनी है गीता, रामायण

वाराणसी। मध्य प्रदेश के अतिरिक्त प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि गीता और रामायण भारतीयों के लिए संजीवनी है। भारत में जब-जब संकट आया, गीता और रामायण ने मुक्ति का रास्ता दिखाया। वह शनिवार को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में 'भागवत गीता एंड रामायण एज पेरिनियल सोर्सेस आफ लीडरशिप' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता प्रो. आरसी पांडा ने की। इस्कॉन के अध्यक्ष सूरदास प्रभु जी ने कहा कि नेता वही है जो दूसरों के लिए उदाहरण पेश करे। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा के कुलपति प्रो. राममोहन पाठक ने कहा कि आज के युग में संचार और संवाद व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है।



# राष्ट्रीय सहारा

वाराणसी। रविवार • 16 फरवरी • 2020

## हमारे लिए संजीवनी हैं गीता-रामायण



वाराणसी (एसएनबी)। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस (एसएमएस) द्वारा 'भागवत गीता एंड रामायण ऐज पैरिनियल सोर्सेस आफ लीडरशिप' विषयक दो दिवसीय आठवें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 300 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। जिसमें जिंबाब्वे, फिजी, मारीशस, रूस, थाईलैंड, जापान व

एसएमएस में  
दो दिवसीय  
अन्तरराष्ट्रीय  
संगोष्ठी का  
भव्य आगाज

इंग्लैंड से आये प्रतिभागी शामिल हैं। कान्फ्रेंस में लगभग 250 शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं मध्य प्रदेश शासन के अतिरिक्त प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि गीता न केवल शाश्वत ग्रन्थ अपितु वह हम भारतीयों के लिए प्राण संजीवनी है। इस दौरान

बीएचयू के धर्म विज्ञान संकाय प्रमुख प्रो. आरसी पांडा, इस्कान के अध्यक्ष व न्यासी सूर्य दास प्रभुजी ने कहा कि प्रबंधन के क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले व्यक्ति के पास शंत मन, तीक्ष्ण बुद्धि होनी चाहिए। इस दौरान दक्षिण भारतीय हिंदी प्रचार सभा के कुलपति प्रो. राम मोहन पाठक, राजीव पपनेरा, प्रे. बीपी सिंह ने विचार रखे। स्वागत भाषण संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा ने कहा कि नैक से ग्रेड ए प्रदत्त यह प्रबंध संस्था केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि नीति निर्माण व कॉर्पोरेट जगत से जुड़े प्रबंधकों के लिए रचनात्मक मंच है। कार्यक्रम में अधिशासक सचिव डॉ. एमपी सिंह ने अतिथियों का स्वागत, प्रो. संदीप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन तथा संचालन डॉ. सोफिया खान ने किया। उद्घाटन के बाद कान्फ्रेंस की स्मारिका का विमोचन हुआ।

# हिन्दुस्तान

SMART

रविवार, 16 फरवरी 2020, वाराणसी



एसएमएस में शनिवार को सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथिगण। • हिन्दुस्तान

## भारतीयों के लिए संजीवनी है गीता, रामायण

वाराणसी। मध्य प्रदेश के अतिरिक्त प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि गीता और रामायण भारतीयों के लिए संजीवनी है। भारत में जब-जब संकट आया, गीता और रामायण ने मुक्ति का रास्ता दिखाया। वह शनिवार को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में 'भागवत गीता एंड रामायण एज पेरिनियल सोर्सेस आफ लीडरशिप' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता प्रो. आरसी पांडा ने की। इस्कॉन के अध्यक्ष सूरदास प्रभु जी ने कहा कि नेता वही है जो दूसरों के लिए उदाहरण पेश करे। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा के कुलपति प्रो. राममोहन पाठक ने कहा कि आज के युग में संचार और संवाद व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है।



SUNDAY 16.02.2020

# आमर उजाला

## गीता और रामायण मानव जीवन के मंत्र

रोहनिया। रोहनिया स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साईंसेज भदवर में भागवत गीता एंड रामायण एज पेरिनियल सोर्सेस ऑफ लीडरशिप विषयक पर दो दिवसीय सम्मेलन का



आयोजन किया गया। जिसमें देश विदेश से लगभग 300 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिंबाब्वे, फिजी, बांग्लादेश, मारीशस, रूस, थाईलैंड, जापान और इंग्लैंड से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के अतिरिक्त प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि गीता न केवल शाश्वत ग्रंथ है बल्कि वह हम भारतीयों के लिए प्राण संजीवनी है। इस दौरान बीएचयू के धर्म विज्ञान संकाय के प्रो. आरसी पांडा, दक्षिण भारतीय हिंदी प्रचार सभा के कुलपति प्रो. राम मोहन पाठक, राजीव तनेजा, प्रो. बीपी सिंह, प्रो. पीएम झा, डॉ. एमपी सिंह, प्रो. संदीप सिंह, डॉ. सोफिया खान आदि मौजूद रहे।

# आज

वाराणसी, १६ फरवरी, २०२०

## भारतीयोंकी प्राण-संजीवनी है गीता-मनोज श्रीवास्तव

गीता न केवल शाश्वत ग्रन्थ है बल्कि वह हम भारतीयों के प्राण-संजीवनी है। आज के समय में एक अच्छे नेतृत्वकर्ताकी आवश्यकता और बढ़ जाती है जोकि हमें सही और सच्चे पथ पर ले जा सकें न कि केवल भौतिक संसाधनों में ही उधड़ाये रहे। उक्त विचार शनिवार को स्कूल आफ मैनेजमेंट साइन्सेस की ओरसे 'भागवत गीता एण्ड रामायण ऐज पेरिनियल सोर्सेस आफ लीडरशीप' विषयक पर आयोजित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के अतिरिक्त प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव ने व्यक्त किये। उन्होंने गीता और रामायण की प्रासंगिकता पर बल देते हुए कहा कि भारत में जब-जब संकट आया, गीता और रामायण ने समाज को उससे मुक्ति पाने के लिए साधू-संतों ने इसके मूल तत्वों का सहारा लिया।

मध्यकाल में स्वामी

रामानन्दाचार्य और संत ज्ञानेश्वर ने गीता एवं रामायण के उपदेशों का समाज में प्रचार-प्रसार किया और आधुनिक काल में स्वामी विवेकानन्द और बाल गंगाधर



तिलक ने इसका प्रचार-प्रसार किया। काशी हिंदू विश्व विद्यालय के धर्म विज्ञान संकाय प्रमुख प्रोफेसर आर.सी.पांडा ने गीता एवं महाभारत की महत्ता एवं उपयोगिता पर विचार से चर्चा की। इस्कान के

अध्यक्ष एवं न्यासी सूरदास ने कहा कि भगवद् गीता एक ऐसा ग्रंथ है जो स्वयं भगवान के श्रीमुख से निकला है। दक्षिण भारतीय हिंदी प्रचार सभा के वाइसचांसलर

प्रोफेसर राम मोहन पाठक ने कहा कि आज के युग में संचार एवं सम्वाद एक व्यक्ति को मूलभूत आवश्यकता है। उन्होंने समय प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया। ईएसडीएस साफ्टवेयर

सलूशन, मुम्बई के वरिष्ठ अधिकारी राजीव पपनेजा ने कहा कि लीडर एक सामान्य व्यक्ति भी हो सकता है जरूरी नहीं कि उसके बहुत सारे अनुयायी हों। प्रोफेसर बी.पी.सिंह, चेयरमैन, दिल्ली स्कूल आफ प्रोफेशनल स्टडीज एण्ड रिसर्च ने कहा कि गीता और रामायण का मुख्य संदेश यह है कि हम अपने आप को जाने, अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहें, अपनी असली क्षमता हो पहचानें, उपलब्ध संसाधनों का सम्पूर्ण प्रयोग करें तथा प्रबंधन को ऐसे लोगों की आवश्यकता है जिनमें अहंकार न हो साथ ही वह अनाशक्त भी रहें। स्वागत भाषण संस्थान के निदेशक प्रोफेसर पीएन झा ने दिया। एसएमएस के अधिशासी सचिव डाक्टर एमपी सिंह ने प्रमुख अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर संदीप सिंह ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रोफेसर सोफिया खान ने

कार्यक्रम का सफल संचालन किया।



# दैनिक जागरण

inext

Varanasi, 16 February 2020

## गीता व रामायण जीवन के मंत्र ग्रंथ



एसएमएस में 'गीता एंड रामायण ऐज पेरैनियल सोर्सस ऑफ लीडरशिप' विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को आगाज हुआ। चीफ गेस्ट मध्य प्रदेश के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि जब-जब देश पर संकट गहराया, गीता व रामायण ने ही राह दिखाने का काम किया। दक्षिण भारतीय हिंदी प्रचार सभा के वीसी प्रो. राम मोहन पाठक, इस्कॉन के अध्यक्ष सूरदास प्रभु, दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशन स्टडीज एंड रिसर्च के चेयरमैन प्रो. बीपी सिंह, इएसडीएस साफ्टवेयर सांख्यिक, मुंबई के राजीव पपनेजा ने विचार व्यक्त किया। अध्यक्षता धर्म विज्ञान संकाय, बीएचयू प्रो. आरसी पंडा, स्वागत संस्थान के डायरेक्टर प्रो. पीएन झा, संचालन डॉ. सोफिया खान व धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम प्रो. संदीप सिंह ने किया। संगोष्ठी में जिंबाबवे, फिजी, बंगलादेश, मारीशस, रूस, थाईलैंड, जापान, इंग्लैंड के प्रतिनिधि भी शामिल रहे।